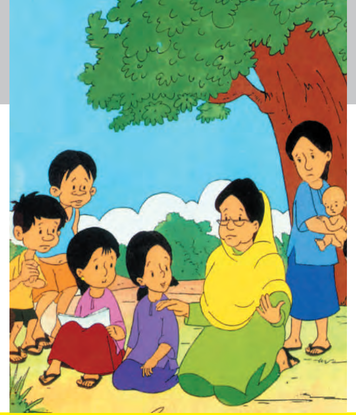

भाग 4

प्रसारण के बाद शिक्षक की भूमिका

1. बच्चों से पूछें कि क्या उन्हें रेडियो कार्यक्रम मनोरंजक या शिक्षाप्रद लगा। सुनी हुई कहानी, गीत और खेल उन्हें पुनः दोहराने को कहें।
2. बच्चों द्वारा लिखे गए कठिन शब्दों पर चर्चा करें।
3. कड़ी में उठे प्रमुख सामाजिक मुद्दों और उन पर मीना की भूमिका पर सवाल–जवाब करें।
4. कड़ी में प्रस्तुत मीना के प्रमुख गुणों पर चर्चा करें और बच्चों को उसके जैसा बनने के लिए प्रेरित करें।
5. सही दिशा में बच्चों की पैनी सोच को प्रोत्साहित करें। यह महत्वपूर्ण है कि बच्चें अपने समस्याओं पर साथियों के साथ स्वतंत्र रूप से चर्चा करें और सामुहिक रूप से उनका समाधान निकालें। बच्चें स्वेच्छा से चर्चा में योगदान दें।
6. बच्चों से पूछें कि कड़ी में प्रस्तुत स्थिति में वे क्या करते और क्यों?
7. बच्चों से कड़ी का मुख्य सन्देश पूछें।
8. कहानी में अलग–अलग पात्रों पर सवाल करें। जैसे "आपको इसमें कौनसा पात्र अच्छा लगा और क्यों?"
9. बच्चों से पूछें "आपको इस कहानी में कौनसा पात्र सबसे अच्छा लगा और क्यों?" ये भी पूछें "आपको इस कहानी में कौनसा पात्र अच्छा नहीं लगा और क्यों?"
10. प्रसारण के दौरान सुने हुए या एक नए रूचीकर और शिक्षाप्रद क्रियाकलाप में बच्चों को शामिल करें।
11. बच्चों को मीना रेडियो कार्यक्रम के बारे में अपने घर के अन्य सदस्यों को बताने को कहें।

अधिक जानकारी के लिए प्रत्येक उच्च प्राथमिक स्कूल में उपलब्ध शिक्षक संदर्शिका को पढ़ें।

आप प्रसारण से संबंधित किसी भी समस्या, संसाधन सामग्री की उपलब्धता, हमारे साथ अपनी सफल कहानियों को बाँटने और अपने बहुमुल्य सुझाव भेजने के लिए हमें निम्न पते पर लिख सकते हैं:–

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष
उत्तर प्रदेश कार्यालय
3/194, विशाल खण्ड, गोमतीनगर,
लखनऊ–226010, उत्तर प्रदेश, भारत
दूरभाष :– 91 522 4093333, 2303151–52

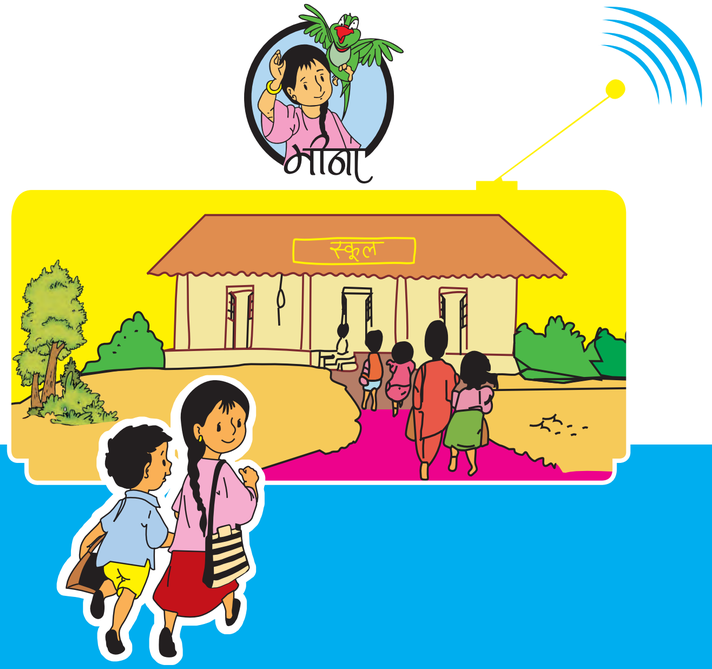

मीना की दुनिया

रेडियो कार्यक्रम
शिक्षकों के लिए दिशा–निर्देश
(कक्षा 6, 7 और 8 के लिए)

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

unicef
unite for children

भाग 1

मीना रेडियो कार्यक्रम क्या है ?

1. आकर्षक रेडियो कार्यक्रम श्रृंखला मीना, ग्रामीण स्कूल के छात्रों, उनके शिक्षकों, माता–पिता और समुदाय के नेताओं तक संदेशों को पहुँचाने की एक सराहनीय पहल है। मीना की दुनिया की हर कड़ी (प्रसंग, कथा) 15 मिनट लम्बी है जिसमें बच्चों के लिए एक कहानी, एक गीत और एक खेल है।
2. आल इंडिया रेडियो द्वारा इसका प्रसारण स्कूल समय में उत्तर प्रदेश के 9 जिलों – ललितपुर, लखनऊ, इलाहाबाद, जौनपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र, वाराणसी, मुरादाबाद और एसआर नगर (भदोही) में प्रतिदिन (सोमवार–शनिवार) किया जा रहा है।
3. यह परियोजना सर्व शिक्षा अभियान की सहायता से कार्यान्वित की जा रही है। मीना रेडियो कार्यक्रम के लिए राज्य शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान को नोडल विभाग घोषित किया गया है।
4. उपर्युक्त सभी जिलों के सभी उच्च प्राथमिक स्कूलों द्वारा एक रेडियो खरीदने के लिए सभी ग्राम शिक्षा निधि को सर्व शिक्षा अभियान द्वारा धनराशि उपलब्ध कराई गई है।
5. मीना रेडियो कार्यक्रम का लक्ष्य बच्चों के अधिकारों, लड़के–लड़की में समानता और बालमित्रशालाओं को बढ़ावा देना है। कहानियाँ इस प्रकार से प्रस्तुत की गई हैं कि वे बच्चों को सोचने, रचनात्मक होने, चर्चा कर विचार–विमर्श करने और उन पर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।
6. वर्तमान में मीना रेडियो कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के 9 जिलों में 5,457 उच्च प्राथमिक स्कूलों, 5,69,233 छात्रों और 12,566 शिक्षकों तक पहुँचता है।

कार्यक्रम बच्चों को मंत्रमुग्ध ही नहीं करता अपितु उनको सोचने पर भी प्रेरित करता है। बच्चे बहुत अच्छे शिष्य होते हैं। वे इन कहानियों, गीतों और खेलों को अपने साथ अपने घर, परिवार और दोस्तों तक पहुँचाते हैं और इस तरह अपने आसपास के माहौल में बदलाव लाने के प्रतिनिधि बन जाते हैं।

भाग 2

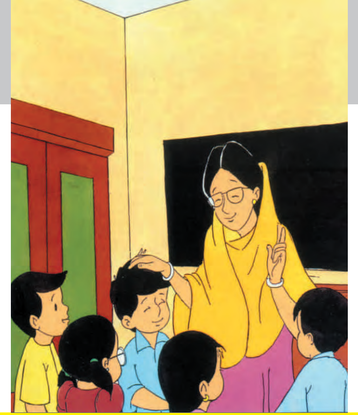

प्रसारण से पहले शिक्षक की भूमिका

1. सुनिश्चित करें कि सामुदायिक मोबलाईज़ेशन मद में एन.ओ.ई.जी.एल. योजना के अन्तर्गत अपने ग्राम शिक्षा समिति के खाते में स्थानांतरित 700 रूपये से 2 एएए साधारण बैटरी और 2 रिचार्जेबल सेल के साथ एक डबल बैंड रेडियो खरीदा गया है।
2. रेडियो की बैटरी को लेने से पहले उनकी जाँच कर लें। प्रसारण से पहले रेडियो का स्टेशन (फ्रिक्वेन्सी) व उसकी ध्वनी का स्तर भी सेट कर लें।
3. यदि बच्चों को पानी पीने या शौचालय जाने की आवश्यकता हो तो वे प्रसारण से 10 मिनट पूर्व उक्त सभी कार्यों को खत्म कर लें, जिससे कि प्रसारण के दौरान कोई अड़चन न आए।
4. प्रसारण से 5 मिनट पहले, मीना रेडियो कड़ी के लिए बच्चों को एक साथ इस तरह से बैठने के लिए कहें जिससे कि वे सभी कार्यक्रम स्पष्ट रूप से सुन सकें। यदि सम्भव हो तो छोटे बच्चों को आगे और लम्बे बच्चों को पीछे एक गोले में बैठाएं।
5. गोले के मध्य में मेज पर रेडियो रखें।
6. पिछली कड़ी पर बच्चों से सवाल–जवाब कर मीना रेडियो कार्यक्रम में उनकी रूची बनाएं और मीना से संबंधित दूसरी दिलचस्प कहानी, गीत और गतिविधियों के लिए बच्चों को तैयार करें।
7. सुनिश्चित करें कि कक्षा में अनुशासन बना रहे मगर बच्चे किसी भी प्रकार का दबाव महसूस न करें।
8. बच्चों को अपनी अपेक्षाएं जैसे ध्यान से सुनना, कठिन शब्दों को लिखना आदि स्पष्ट रूप से बताएं।
9. मीना की दुनिया के कुछ सत्रों/बैठक के लिए माता–पिता, ग्राम प्रधान, ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों और स्थानीय नेताओं को भी आमंत्रित किया जा सकता है।

भाग 3

प्रसारण के दौरान शिक्षक की भूमिका

1. बच्चों पर सतत् निगरानी बनाए रखें। प्रसारण के 15 मिनट के दौरान किसी भी छात्र को रेडियो को छूने, बात करने और कक्षा से अन्दर–बाहर होने की अनुमति न दें।
2. सुनिश्चित करें कि कक्षा का वातावरण तनाव मुक्त हो और बच्चे रेडियो कार्यक्रम अच्छी तरह से सुनने और उसका आनन्द लेने के लिए प्रोत्साहित हों।
3. प्रसारण के दौरान यदि कुछ कहना आवश्यक हो तो उसके लिए सांकेतिक भाषा का प्रयोग करें।
4. कड़ी को ध्यान से सुनने में रूची लें और साथ–साथ बच्चों पर निगरानी रखें। बच्चे आपको दिलचस्पी लेते हुए देखकर ही दिलचस्पी लेंगे। आपके शरीर की भाषा (शरीर के संकेत, चेहरे के हाव–भाव) सकारात्मक होनी चाहिए। आपकी तरफ से सकारात्मक संदेश मिलने पर बच्चे कार्यक्रम में ध्यान देंगे।
5. प्रसारण के दौरान छात्रों के हाव–भाव का सावधानी से निरीक्षण करें।

कहानी, गीतों और खेलों के महत्वपूर्ण मुद्दों को लिखें जिससे आप उन पर बाद में चर्चा कर सकें। बच्चों को भी कठिन शब्द लिखने चाहिए।

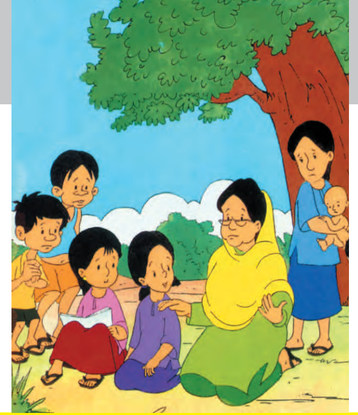

भाग 4

प्रसारण के बाद शिक्षक की भूमिका

1. बच्चों से पूछें कि क्या उन्हें रेडियो कार्यक्रम मनोरंजक या शिक्षाप्रद लगा। सुनी हुई कहानी, गीत और खेल उन्हें पुनः दोहराने को कहें।
2. बच्चों द्वारा लिखे गए कठिन शब्दों पर चर्चा करें।
3. कड़ी में उठे प्रमुख सामाजिक मुद्दों और उन पर मीना की भूमिका पर सवाल–जवाब करें।
4. कड़ी में प्रस्तुत मीना के प्रमुख गुणों पर चर्चा करें और बच्चों को उसके जैसा बनने के लिए प्रेरित करें।
5. सही दिशा में बच्चों की पैनी सोच को प्रोत्साहित करें। यह महत्वपूर्ण है कि बच्चें अपने समस्याओं पर साथियों के साथ स्वतंत्र रूप से चर्चा करें और सामुहिक रूप से उनका समाधान निकालें। बच्चें स्वेच्छा से चर्चा में योगदान दें।
6. बच्चों से पूछें कि कड़ी में प्रस्तुत स्थिति में वे क्या करते और क्यों?
7. बच्चों से कड़ी का मुख्य सन्देश पूछें।
8. कहानी में अलग–अलग पात्रों पर सवाल करें। जैसे "आपको इसमें कौनसा पात्र अच्छा लगा और क्यों?"
9. बच्चों से पूछें "आपको इस कहानी में कौनसा पात्र सबसे अच्छा लगा और क्यों?" ये भी पूछें "आपको इस कहानी में कौनसा पात्र अच्छा नहीं लगा और क्यों?"
10. प्रसारण के दौरान सुने हुए या एक नए रूचीकर और शिक्षाप्रद क्रिया कलाप में बच्चों को शामिल करें।
11. बच्चों को मीना रेडियो कार्यक्रम के बारे में अपने घर के अन्य सदस्यों को बताने को कहें।

अधिक जानकारी के लिए प्रत्येक उच्च प्राथमिक स्कूल में उपलब्ध शिक्षक संदर्शिका को पढ़ें।

आप प्रसारण से संबंधित किसी भी समस्या, संसाधन सामग्री की उपलब्धता, हमारे साथ अपनी सफल कहानियों को बाँटने और अपने बहुमुल्य सुझाव भेजने के लिए हमें निम्न पते पर लिख सकते हैं:–

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष
उत्तर प्रदेश कार्यालय
3/194, विशाल खण्ड, गोमतिनगर,
लखनऊ–226010, उत्तर प्रदेश, भारत
दूरभाष :– 91 522 4093333, 2303151–52

मीना की दुनिया

रेडियो कार्यक्रम

शिक्षकों के लिए दिशा–निर्देश

6 7 और 8

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

unicef
unite for children